# राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय, हनुमानगढ़

(महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर से सम्बद्ध)

नजदीक रेल्वे स्टेशन रोड़ एवं युको बैंक हनुमानगढ़ टाऊन, हनुमानगढ़ – 335513, राजस्थान

E-mail : govtnmcollege@gmail.com

(दूरभाष न. 01552–222063)

विवरणिका

सत्र 2022–23

डॉ. नरेन्द्र सिंह भाम्भू

( प्राचार्य )

**संपादन**

श्री सोहनलाल

श्री विनोद खुडी़वाल

सुश्री मनदीप कौर

**प्रकाशन प्राधिकार**

प्राचार्य

राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय, हनुमानगढ़

# अनुक्रमणिका


| क्र.स. | विषय | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1 | महाविद्यालय परिचय | 3 |
| 2 | प्राचार्य सन्देश | 4 |
| 3 | प्रवेश प्रक्रिया | 5-6 |
| 4 | महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम एवं विभाग | 7-9 |
| 5 | प्रवेश शुल्क विवरण | 9-11 |
| 6 | विद्यार्थियों के लिये आवश्यक शैक्षणिक सूचनाएँ | 11 |
| 7 | विद्यार्थियों के लिये आवश्यक निर्देश | 12-13 |
| 8 | संकाय एवं विभाग | 13-17 |
| 9 | महाविद्यालय में संचालित सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं प्रदत सुविधाएँ | 18-22 |
| | • राष्ट्रीय सेवा योजना,<br>• एनसीसी,<br>• स्काउट,<br>• खेल–कूद<br>• पुस्तकालय<br>• VMOU एवं IGNOU केन्द<br>• ई–रिर्सोसेज<br>• महिला प्रकोष्ठ,<br>• मानवाधिकार क्लब,<br>• युवा विकास केन्द्र,<br>• राष्ट्रीय पर्व एवं अन्य आयोजन<br>• राजीव गांधी परामर्श केन्द्र<br>• मेन्टल हैल्थकेयर सेन्टर<br>• बालिका वाटिका एवं छात्रा कक्ष<br>• कैन्टीन एवं वाहन स्टैण्ड | |
| 10 | सरकार द्वारा देय छात्रवृतियां | 23-25 |
| 11 | संकाय मण्ड़ल | 26 |
| 12 | मंत्रालयिक कर्मचारी सूची | 27 |

# महाविद्यालयः एक परिचय

हनुमानगढ़ का भटनेर किला भारतवर्ष में अपने गौरवमय इतिहास के लिए प्रसिद्व है। इस किले के द्वारा जांगल प्रदेश की संस्कृति सुरक्षित रही है। अनेक प्रकार के उतार–चढ़ाव के बाद बीकानेर के राजा सूरतसिंह सन् 1805 ई में इस पर अपना अधिकार जमाने में सफल हुए थे। उस दिन मंगलवार होने के कारण हनुमानजी के नाम पर इसका नाम हनुमानगढ़ रखा गया। ''राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान समिति'' के माध्यम से 4 जुलाई, 1966 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के नाम पर महाविद्यालय का शुभारम्भ हुआ। प्रारम्भ में महाविद्यालय एक अस्थाई भवन में प्रारम्भ हुआ, जिसमें कला संकाय में केवल 70 विद्यार्थी थे। दूसरे ही वर्ष (1967) महाविद्यालय में विज्ञान की कक्षाएं प्रारम्भ कर दी गई। नागरिकों के प्रयास से थोड़े समय में ही राज्य सरकार ने महाविद्यालय के लिए नगर के दक्षिण में 50 बीघा जमीन स्वीकृत कर दी । इसी पवित्र भूमि पर प्रान्त के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाडि़या के सानिध्य में तत्कालीन केन्द्रीय खाद्य मंत्री श्री जगजीवन राम ने 9 मार्च, 1968 को महाविद्यालय भवन का शिलान्यास एक विशाल समोराह में किया और 1 जुलाई 1969 से नये भवन में कक्षाएं प्रारम्भ हो गई।

70 विद्यार्थियों से प्रारम्भ हुई इस संस्था ने गत वर्ष 4200 विद्यार्थियों को अध्ययन की सुविधा प्रदान की। इस समय इस महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों संकायों में स्नातक स्तर की शिक्षा के साथ–साथ कला में हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र एवं अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य में लेखा शास्त्र एवं सांख्यिकी लेखा एवं वित्त, भौतिक विज्ञान एवं रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अध्ययन की भी पूर्ण व्यवस्था है। इसके साथ ही सत्र 2005–2006 से स्नातकर स्तर तक सभी संकायों में कम्प्यूटर एप्लीकेशन (वोकेशनल) ऐच्छिक विषय रूप में तथा सत्र 2006–07 से एम.एस.सी. कम्प्यूटर पाठ्यक्रम ( SFS) **संचालित** है तथा सन् 2007–08 से बी.सी.ए. की कक्षाएं शुरू की गई।

वर्द्वमान महावीर कोटा, खुला विश्वविद्यालय, कोटा से सम्बद्व अध्ययन केन्द्र सन् 2003–04 से चल रहा है।ै जनहित में राज्य सरकार द्वारा दिनांक 15 जुलाई, 2010 को इस महाविद्यालय का अधिग्रहण किया गया । महाविद्यालय में एक भव्य सभागार, स्वर्ण जयंती भवन एवं ICT LAB का निर्माण किया गया है।

# प्राचार्य सन्देश

प्रिय विद्यार्थियों,

नवीन सत्र 2022–23 में आप सभी का स्वागत है। सन् 1966 में संचालित व जिला मुख्यालय पर अवस्थित यह महाविद्यालय जिले का सबसे बड़ा महाविद्यालय है। 15 जुलाई 2010 को इस महाविद्यालय को राज्याधीन किया गया। घग्घर नदी के तट पर भटनेर दुर्ग के पास अवस्थित महाविद्यालय भी क्षेत्र की विरासत को संजोये हुए है। अपनी स्थापना से ही इस महाविद्यालय ने कई प्रतिभाओं को तराशा है और इन्हीं प्रतिभाओं ने आगे चलकर जीवन के अनेक क्षेत्रो में राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति को संस्कारित कर उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है ताकि वह एक योग्य नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकें। व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक व सह–शैक्षणिक दोनों ही गतिविधियों अत्यावश्यक है और इन दोनों गतिविधियों में महाविद्यालय का उत्कृष्ठ इतिहास रहा है।

इस महाविद्यालय में शैक्षणिक के साथ–साथ अनेक सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), भारत स्काउट गाइड, खेलकूद, साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल है। आगामी सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो अतिरिक्त ईकाइयाँ, स्काउट गाइड की

एक अतिरिक्त यूनिट, तथा एनसीसी की एक अतिरिक्त बटालियन शुरू करवाने के लिए हम प्रयासरत हैं मुझे विश्वास है इन गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों अपने व्यक्त्वि व कौशल को निखार सकेंगे।

हमारे अथक प्रयासों के चलते 50 बीघा क्षेत्रफल में फैले इस महाविद्यालय परिसर को वृक्षारोपण व उद्यान वाटिकाओं की स्थापना कर एक हरे भरे जोन में बदला गया है। प्रिय विद्यार्थियों महाविद्यालय के इस हरे–भरे वातावरण में जहाँ एक और आप प्रकृति से जुड़ाव महसूस करेगें वहीं दूसरी और आप की सकारात्मक अभिवृद्धि को बढ़ावा मिल सकेंगा। महाविद्यालय के पुस्तकालय का ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर डिजिटिलाइजेशन का कार्य इस सत्र में पूर्ण हो जायेगा। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए महाविद्यालय में बास्केट बॉल, हॉकी, फुटबाल व अन्य खेलों के लिए सुसज्जित खेल मैदानों का विकास किया गया हैं। इस तरह विज्ञान संकाय की प्रयोगशालाएँ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एवं विकसित की गई है। जहाँ विद्यार्थी अपने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक कसौटी पर कस सकेंगें।

इस महाविद्यालय में प्रवेश आपके लिए गर्व की बात होगी और मैं आशा करता हूँ कि आप अनुशासित जीवन वृत्ति को अपनाकर मेहनत व लग्न से विद्यार्जन करेंगे। श्रेष्ठ व प्रतिभा संपन्न गुरूजनों का सानिध्य एवं ज्ञान आपके विकास में मार्गदर्शक एवं सहयोगी सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

प्राचार्य
डॉ. नरेन्द्र सिंह भाम्भू
राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय, हनुमानगढ़

# ऑनलाईन प्रवेश प्रकिया

1. महाविद्यालय में **प्रवेश** प्रकिया को सहज, सुगम व पारदर्शी बनाने की दृष्टि से सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी के उपयोग को बढावा देने के उद्देश्य से सत्र 2014–15 से स्नात्तक पार्ट प्रथम में आनॅलाईन **प्रवेश** प्रकिया लागू है। सत्र 2016–17 से स्नातकोत्तर पूर्वाद्ध हेतु **प्रवेश** के लिये भी ऑनलाईन **प्रवेश** प्रकिया लागू है। सभी कक्षाओं में **प्रवेश** आनॅलाईन प्रक्रिया द्वारा होंगे।

2. स्नातक प्रथम वर्ष तथा स्नातकोत्तर पूर्वाद्ध में **प्रवेश** हेतु ऑनलाईन फार्म भरे जायेंगे। अभ्यर्थी को पंजीकरण करने के लिये आधार न., जनाधार न. एवं जी–मेल में से किसी एक की आवश्यकता होगी। इस हेतु ई–मित्रा सेवाओं का उपयोग भी किया जा सकता है।

3. महाविद्यालय में कक्षानुसार उपलब्ध सीटों के लिये प्रथम अंतिरम प्रवेश सूची वरीयता क्रम में जारी की जायेगी, प्रथम अंतरिम प्रवेश सूची में सें निर्धारित तिथि तक शुल्क नहीं जमा करवाने के कारण रिक्त रहे स्थानों की पूर्ति हेतु अन्य वर्णित शर्तों की पालना करते हुये तृतीय अंतरिम **प्रवेश** सूची तथा महाविद्यालय की आवश्यकतानुसार प्रतीक्षा सूची जारी की जायेगी। फिर भी स्थान रिक्त रहने पर प्रवे**शि**त विद्यार्थियों की चतुर्थ सूची के साथ प्रतीक्षा सूची निकाली जा सकेगी।

4. प्रत्येक **प्रवेश** सूची मय प्रतिक्षा सूची जारी होने के पश्चात समस्त विद्यार्थीयों को मूल अंकतालिकाएं स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण एवं अन्य दस्तावेजों की जांच महाविद्यालय में करवानी होगी। सत्यापन के बाद ही ई–मित्र काउन्टर पर/नेट बैंकिग द्वारा शुल्क जमा करवाना होगा।

5. प्रतीक्षा सूची में स्थान प्राप्त अभ्यर्थियों को भी दस्तावेजों का सत्यापन करवाकर अंतरिम **प्रवेश** शुल्क ई–मित्रा पर निर्धारित तिथि तक जमा करवाना होगा यदि ऐसे अभ्यर्थियों का **प्रवेश** नही हो पाता है तो उनके द्वारा जमा करवाया गया शुल्क महाविद्यालय द्वारा लौटा दिया जायेगा।

6. आवेदन पत्र की पूर्ति करने से पूर्व **प्रवेश** नीति में प्रकाशित नियमों और परिवर्तित नियमों की जानकारी कर लेना आवश्यक है।

7. महाविद्यालय में **प्रवेश** मिल जाने के बाद यदि किसी विद्यार्थी का आचरण आपत्तिजनक पाया जाता है या उसने महाविद्यालय का अनुशासन भंग किया हो या कोई असत्य सूचना दी हो उसका कार्य दडंनीय समझा जायेगा तथा **प्रवेश** तुरंत निरस्त कर दिया जायेगा। (वि.वि. अध्यादेश 88)

8. प्रत्येक विद्यार्थी को परीक्षा के पूर्व ही पुस्तकालय की पुस्तकें लौटानी होंगी या महाविद्यालय द्वारा निर्धारित धनराशि जमा करवानी होगी जो पुस्तकों के लौटाने पर वापिस कर दी जायेगी।

9. स्नातकोत्तर कक्षा में प्रत्येक अनुभाग में कला संकाय में विद्यार्थियों की संख्या **80** से अधिक तथा विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में 70 से अधिक नही होगी।

10. स्नातक प्रथम वर्ष विद्यार्थीयों की संख्या निम्नप्रकार से निर्धारित है

| कक्षा | छात्र संख्या | स्वीकृत अनुभाग |
|---|---|---|
| प्रथम वर्ष कला | 880 | 11 |
| प्रथम वर्ष वाणिज्य | 320 | 4 |
| प्रथम वर्ष विज्ञान | | |
| गणित | 210 | 3 |
| बायो | 140 | 2 |
| कम्प्यूटर विज्ञान (एसएफएस) | 80 | 1 |

11. महाविद्यालय में **प्रवेश** हो जाने पर कार्यालय से अपना परिचय पत्र प्राप्त कर लेवें परिचय पत्र को सदैव महाविद्यालय में सदा अपने पास रखना सुनिश्चित करें।

12. प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से महाविद्यालय सूचनापटट देखना चाहिये। कोई भी सूचना प्राप्त न होने का दायित्व महाविद्यालय का नही होगा।

13 विद्यार्थियों के लिये 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

14. महाविद्यालय में रैगिंग पूर्णतया प्रतिबंधित है। रैगिंग में लिप्त पाये जाने पर सम्बधित छात्र के विरूद्व दण्ड़ात्मक कार्यवाही की जायेगी।

प्रवेश प्रक्रिया की समस्त जानकारी एवं समस्त गतिविधियों की जानकारी महाविद्यालयं की **प्रवेश** समिति एवं महाविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। इस विवरणिका में प्रकाशित नियम एवं सूचनाएँ राज्य सरकार, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर तथा प्राचार्य के आदेशों से परिवर्तनीय है, नये नियम एवं सूचनाएं यथासम्भव महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगा दिये जाते हैं, अतः प्रवेशार्थी का कर्तव्य है कि वह नोटिस बोर्ड तथा महाविद्यालय कार्यालय से निरन्तर सम्पर्क सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध विशेष आरक्षण रियायतें एवं लाभ राज्य सरकार एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर के निर्देशानुसार देय होंगे। इन सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी आयुक्तालय की वेबसाईट (https://hte.rajasthan.gov.in/dept/dce/Circulars.php) पर प्राप्त की जा सकती है।

**नोटः**– बी. ए./बी.एस.सी/बी.कॉम पार्ट–प्रथम, सत्र 2022–23 के लिए ऑनलाईन **प्रवेश** हेतु वेबसाईट (https://hte.rajasthan.gov.in/ पर आवेदन करें।

**प्रवेश नीति 2022–23 महाविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है।**

## महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

## सत्र 2022–23

महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य संकाय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के विषय चयन की सुविधा निम्नानुसार हैः–

**अनिवार्य विषय** (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय ) –

1. सामान्य हिन्दी 2. सामान्य अंग्रेजी 3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग 4. पर्यावरण अध्ययन

महाविद्यालय में संकायवार उपलब्ध **ऐच्छिक** विषय

### कला संकाय

### बी.ए. भाग प्रथम

| क्र0स0 | विषय | सीट संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अंग्रेजी साहित्य | 160 |
| 2 | हिन्दी साहित्य | 560 |
| 3 | राजनीति विज्ञान | 560 |
| 4 | इतिहास | 640 |
| 5 | गृह–विज्ञान | 80 |
| 6 | अर्थशास्त्र | 320 |
| 7 | समाजशास्त्र | 240 |
| 8 | कम्प्यूटर विज्ञान (SFS) | 80 |

नोट – छात्र द्वारा चुना गया ऐच्छिक विषय आवंटित करने हेतु महाविद्यालय बाध्य नहीं होगा। क्योंकि प्रथम वर्ष कला वर्ग के विद्यार्थियों को विषयों का आवंटन महाविद्यालय द्वारा मैरिट के अनुसार, सीट उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा। आवंटन के पश्चात विषय परिवर्तन संभव नहीं होगा।

### विज्ञान संकाय

### बी.एससी. भाग प्रथम

### गणित वर्ग

| क्र0स0 | विषय | सीट संख्या |
|---|---|---|
| 1 | भौतिक शास्त्र | 210 |
| 2 | रसायन शास्त्र | 210 |
| 3 | गणित | 210 |
| 4 | कम्प्यूटर विज्ञान (SFS) | 35 |

**बायो वर्ग**

| क्र0स0 | **विषय** | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | प्राणी शास्त्र | 140 |
| 2 | वनस्पति शास्त्र | 140 |
| 3 | रसायन शास्त्र | 140 |
| 4 | कम्प्यूटर विज्ञान (SFS) | 35 |

## वाणिज्य संकाय

### बी.कॉम भाग प्रथम

| क्र0स0 | **विषय** | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | व्यावसायिक प्रशासन | 320 |
| 2 | ई.ए.एफ.एम. | 320 |
| 3 | ए.बी.एस.टी. | 320 |
| 4 | कम्प्यूटर विज्ञान | 80 |

## कम्प्यूटर विज्ञान संकाय (SFS)

### बी.सी.ए. भाग प्रथम

| क्र0स0 | **विषय** | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | **कम्प्यूटर विज्ञान (बी.सी.ए.)** | **80** |

नोटः– स्नातक स्तर के सभी संकायों के पार्ट–2 और पार्ट–3 में ऐच्छिक विषय वही अनुमत होंगे जो उनके पास पार्ट–01 में थे।

### महाविद्यालय में उपलब्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में **कला संकाय** में निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध हैः–

| क्र0स0 | विषय | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | हिन्दी | 60 |
| 2 | अंग्रेजी | 60 |
| 3 | इतिहास | 60 |
| 4 | राजनीति विज्ञान | 60 |
| 5 | अर्थशास्त्र | 60 |

महाविद्यालय में **विज्ञान संकाय** में उपलब्ध स्नातकोत्तर कार्यक्रमः

| क्र0स0 | विषय | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | रसायन शास्त्र | 20 |
| 2 | भौतिक विज्ञान | 20 |
| 3 | कम्प्यूटर विज्ञान (एसएफएस) | 40 |

महाविद्यालय में **वाणिज्य संकाय** में उपलब्ध स्नातकोत्तर कार्यक्रम

| क्र0स0 | विषय | **सीट संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | ए.बी.एस.टी. | 60 |

## प्रवेश शुल्क विवरण

| B.A./B.COM PART -I | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Sr No.** | **Main Fee Heads** | **Sub Fee Heads** | **General Boys (Non Income Tax Payers)** | **General Boys (Income Tax Payers)** | **SC/ST/ OBC/SBC Boys** | **ALL Girls** | **PH. Boys & Girls** |
| 1 | OTHER FEES | INSURANCE FEE | 20 | 20 | 20 | 20 | 20 |
| 2 | BOYS FUND | LIBRARY | 30 | 30 | 30 | 30 | 0 |
| 3 | BOYS FUND | COLLEGE MAGAZINE | 15 | 15 | 15 | 15 | 0 |
| 4 | BOYS FUND | CAMPUS BEAUTIFICATION CLEANLINESS FEE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 5 | BOYS FUND | EXAM FEE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 6 | BOYS FUND | COLLEGE GAMES FEE | 100 | 100 | 100 | 100 | 0 |
| 7 | BOYS FUND | POSTAGE | 5 | 5 | 5 | 5 | 0 |
| 8 | BOYS FUND | INTERNAL ASSESSMENT | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 9 | BOYS FUND | WATERELECTRICITY | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 10 | BOYS FUND | WOMEN DEVELOPMENT FEE | 0 | 0 | 0 | 10 | 0 |
| 11 | BOYS FUND | GIRLS COMMON ROOM | 0 | 0 | 0 | 10 | 0 |
| 12 | BOYS FUND | STUDENT UNION ELECTION FEE | 50 | 50 | 50 | 50 | 0 |
| 13 | OTHER FEES | COMPUTER EDUCATION FEES | 450 | 450 | 450 | 450 | 0 |
| 14 | GOVERNMENT FEES | ADMISSION FEES | 2 | 2 | 2 | 0 | 0 |
| 15 | GOVERNMENT FEES | TUITION FEES | 40 | 140 | 0 | 0 | 0 |
| 16 | BOYS FUND | IDENTITY CARD FEE | 30 | 30 | 30 | 30 | 0 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17 | OTHER FEES | MAHAVIDYALAY VIKAS SAMITI FEE | 250 | 250 | 250 | 250 | 0 |
| 18 | BOYS FUND | RANGERING SCOUT GUIDE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 19 | BOYS FUND | CULTURAL ACTIVITY | 25 | 25 | 25 | 25 | 0 |
| | | Total | 1067 | 1167 | 1027 | 1045 | 20 |

## सत्र 2022–23

| B.SC. PART -I | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Sr No.** | **Main Fee Heads** | **Sub Fee Heads** | **General Boys (Non Income Tax Payers)** | **General Boys (Income Tax Payers)** | **SC/ST/ OBC/SBC Boys** | **ALL Girls** | **PH. Boys & Girls** |
| 1 | OTHER FEES | INSURANCE FEE | 20 | 20 | 20 | 20 | 20 |
| 2 | BOYS FUND | LIBRARY FEE | 30 | 30 | 30 | 30 | 0 |
| 3 | BOYS FUND | COLLEGE MAGAZINE | 15 | 15 | 15 | 15 | 0 |
| 4 | BOYS FUND | CAMPUS BEAUTIFICATION CLEANLINESS FEE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 5 | BOYS FUND | EXAM FEE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 6 | BOYS FUND | COLLEGE GAMES FEE | 100 | 100 | 100 | 100 | 0 |
| 7 | BOYS FUND | POSTAGE | 5 | 5 | 5 | 5 | 0 |
| 8 | BOYS FUND | INTERNAL ASSESSMENT | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 9 | BOYS FUND | WATERELECTRICITY | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 10 | BOYS FUND | GIRLS COMMON ROOM | 0 | 0 | 0 | 10 | 0 |
| 11 | BOYS FUND | WOMEN DEVELOPMENT FEE | 0 | 0 | 0 | 10 | 0 |
| 12 | BOYS FUND | STUDENT UNION ELECTION FEE | 50 | 50 | 50 | 50 | 0 |
| 13 | GOVERNMENT FEES | TUITION FEES | 40 | 140 | 0 | 0 | 0 |
| 14 | OTHER FEES | COMPUTER EDUCATION FEES | 450 | 450 | 450 | 450 | 0 |
| 15 | GOVERNMENT FEES | LAB FEE | 100 | 100 | 100 | 0 | 0 |
| 16 | GOVERNMENT FEES | ADMISSION FEES | 2 | 2 | 2 | 0 | 0 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17 | OTHER FEES | MAHAVIDYALAY VIKAS SAMITI FEE | 250 | 250 | 250 | 250 | 0 |
| 18 | BOYS FUND | CULTURAL ACTIVITY | 25 | 25 | 25 | 25 | 0 |
| 19 | BOYS FUND | RANGERING SCOUT GUIDE | 10 | 10 | 10 | 10 | 0 |
| 20 | BOYS FUND | IDENTITY CARD FEE | 30 | 30 | 30 | 30 | |
| | | Total | 1167 | 1267 | 1127 | 1045 | 20 |

**स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा स्नात्कोत्तर पूर्वाद्व एवं उत्तरार्द्व के विस्तृत शुल्क विवरण हेतु विद्यार्थी महाविद्यालय की वेबसाईट देखें।**

## विद्यार्थियों हेतु आवश्यक शैक्षणिक सूचनाएं

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र संलग्न किये जाने आवश्यक है

1. अंतिम संस्था के द्वारा प्रदत चरित्र प्रमाण पत्र एवं स्थानान्तरण प्रमाण पत्र।
2. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के बाहर से आने वाले प्रार्थीयों द्वारा माईग्रेशन प्रमाण–पत्र
3. सैकण्ड़री तथा सीनियर सैकण्ड़री कक्षा की अंकतालिका की प्रति।
4. अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगता सम्बन्धी प्रमाण पत्र की स्वयं द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपी।
5. आय प्रमाण पत्र।
6. बोनस अंक हेतु प्रमाण पत्र की राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपि (यदि कोई हो)
7. पासपोर्ट साईज फोटो।
8. आवेदन पत्र पर विद्यार्थी पिता/संरक्षक के सही हस्ताक्षर होने चाहिये।
9. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों से उनके मूल प्रमाण पत्र महाविद्यालय में दस्तावेजों के सत्यापन के समय जांच किये जायेंगे।

## उपस्थिति की अनिवार्यता

1. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार सत्र में दिये व्याख्यानों में प्रति विषय कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
2. जो विद्यार्थी एन.सी.सी. , एन.एस.एस., स्काउटिंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल कार्यक्रम इत्यादि में भाग लेने के कारण कक्षाओं में अनुपस्थित करते है, उन दिनों यथावत उपस्थित माना जायेगा तथा यह अवधि उपस्थिति में जोड़ दी जायेगी किन्तु इसके लिए सक्षम स्तर से अग्रिम स्वीकृति आवश्यक है।
3. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित उपस्थिति नियम ही मान्य होंगे।

# विद्यार्थियों के लिये आवश्यक निर्देश (आचार संहिता)

यह महाविद्यालय आपकी धरोहर है एवं इसकी शुचिता एवं गरिमा को बनायें रखना आपका मौलिक कर्तव्य है। आपसे अपेक्षित है कि समय समय पर महाविद्यालय प्राचार्य एवं प्राध्यापकगण के द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों की अनुपालना करें एवं आचार संहिता का पूर्ण निष्ठा से पालन करें।

1. महाविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ नही करें। फर्नीचर एवं बिजली उपकरणों को क्षति न पहुचांए।

2. महाविद्यालय में शालीन आचरण करें एवं उदण्ड़ता न फैलाएं एवं झुण्ड़ बनाकर कक्षा के बाहर न घुमें एवं शोर न मचाएं।

3. महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखें अनुशासनहीनता का प्रदर्शन करने से आपका प्रवेश निरस्त हो सकता है।

4. महाविद्यालय की सहशैक्षिणक गतिविधियों जैसे कि एनएसएस, एनसीसी, स्काउट एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रूची के भाग साथ लेंवें।

5. प्राचार्य कक्ष एवं आचार्य कक्ष में बिना अनुमति प्रवेश न करें एवं प्रवेश उपरान्त शालीनतापूर्वक व्यवहार करें।

6. महाविद्यालय कैन्टीन में भी शालीनता से बैठें। कैन्टीन में बैठकर शोर मचाना अमर्यादित व्यवहार करना, चाय की कीमत अदा न करना दण्ड़नीय अपराध है।

7. वाहन निर्धारित पार्किंग स्टेंड पर ही पार्क करें।

8. महाविद्यालय परिसर में धुम्रपान या किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का सेवन निषेध है।

9. अपनी संस्था का सम्मान करें एवं स्वयं के प्रति कॉलेज के प्रति देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों का सदैव निर्वाह करें।

10. महाविद्यालय परिसर में किसी भी दीवार या कक्षाकक्ष के ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी लिखकर गंदा न करें।

11. महाविद्यालय में अनुशासन समिति एवं महिला प्रकोष्ठ सक्रिय है अतः किसी भी छात्रा के साथ असंगत/अमर्यादित व्यवहार न करें इससे आपका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है ऐसा पाये जाने पर दण्ड़ात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।

12. खेल के मैदान में खेल भावना से खेलें।

13. अध्ययन काल में यदि आप आर्थिक लाभ वाला कोई कार्य स्वीकार करते है तो उसकी सूचना महाविद्यालय कार्यालय मे आवश्यक रूप से देनी होगी।

14. महाविद्यालय में खाली कालांश के समय विद्यार्थी अपने समय का उपयोग पुस्तकालय में करे। महाविद्यालय के पोर्च के आगे या गैलरी में भीड़ न करे जिससे महाविद्यालय में आने वाले लोगों को असुविधा न हो।

15. विद्यार्थी महाविद्यालय की गरिमा के अन्तर्गत महाविद्यालय के किसी शिक्षक व किसी कर्मचारी से बातचीत व व्यवहार में अभद्रता न करें अन्यथा इसे अपराध की श्रेणी में माना जा सकता है।

16. सार रूप में इस आचार संहिता का उददेश्य विद्यार्थियों में अनुशासन एवं शिक्षा के माध्यम सें नैतिक गुणों का संचार कर उन्हें समाज एवं देश के एक जिम्मेवार नागरिक के रूप में स्थापित करना है।

## कला संकाय

### राजनीति विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के सबसे पुराने स्थापित विभागों में राजनीति विज्ञान विभाग एक प्रतिष्ठित विभाग है जो महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के पाठयक्रमानुसार स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कोर्स संचालित करता हैं। विभाग एक लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है एवं विविध हितों एवं समकालीन महत्त्व के मुदों पर व्याख्यान प्रश्नोत्तरी और वाद–विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने एवं उनमें विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने में अत्यंत सक्रिय है।

विभाग के विद्यार्थी कुशल एवं अनुभवी संकाय सदस्यों के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संविधान दिवस, अंबेडकर जयंती, गांधी जयंती, महिला दिवस, आजादी का अमृत महोत्सव के श्रृंखलाबद आयोजनों के अवसर पर – पर विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा बनते है। विभाग का उदेश्य, विद्यार्थियों में राजनीति विज्ञान से संबंधित विभिन्न मुदों एवं उनसे जुड़े स्थानीय राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय मुदों के संदर्भ में आवश्यक विश्लेषणात्मक दक्षता उत्पन्न करना, तुलनात्मक एवं व्यवहारिक दृष्टि विकसित करना, योग्य नागरिक एवं नेतृत्व की क्षमताएं विकसित करना है। विभाग द्वारा विविध स्तरों पर शैक्षिक एवं पाठ्येतर गतिविधियां आयोजित की जाती है।

### समाजशास्त्र **विभाग**

समाजशास्त्र विभाग एक लंबे समय से स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम चला रहा है। विभाग का उदेश्य ऐसे विद्यार्थियों का विकास करना है जो समकालीन व्यवहार प्रतिमानताओं की जटिलता को समझते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। महाविद्यालय का समाजशास्त्र विभाग अकादमिक उपलब्धियों और रचनात्मक उत्कृष्टता का एक मजबूत रिकॉर्ड है। शैक्षणिक रूप से विभाग इंटरएक्टिव अप्रोच पर जोर देता है यहां छात्रों को सहपाठियों और संकाय दोनों के साथ सार्थक संवाद में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सशक्त बनाने के लिए चुने गए विषय पर व्याख्यान देने के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी समय–समय पर आमंत्रित किया जाता है। विभाग के समाजशास्त्र स्नातक तीव्र गति से परिवर्तित होते समाज में एक महत्वपूर्ण नागरिक के रूप में उभरते है।

### **अर्थ**शास्त्र **विभाग**

**अर्थ**शास्त्र विभाग के अंतर्गत बी.ए., एम.ए. पाठ्यक्रम चलाए जाते है। पाठयक्रमों का उदेश्य अर्थव्यवस्थाओं की जानकारी देने तथा समझ विकसित करने के साथ – साथ आवश्यक विश्लेषणात्मक दक्षता प्रदान करना तथा बौद्धिक प्रशिक्षण देना है।

## इतिहास विभाग

महाविद्यालय का इतिहास विभाग स्नात्तक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करता हैं। है। इन पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को इतिहास लेखन की नवीनतम प्रवर्तियों के साथ सह संबध भी किया जाता है, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित इन पाठ्यक्रर्मों का उददेश्य इतिहास के वस्तुनिष्ठ व्यवहारिक और अंतःविषय दृष्टि के द्वारा अध्ययन–अध्ययापन करना है। कॉलेज के पुस्तकालय में इतिहास की पुस्तकों के नवीनतम संस्करण उपलब्ध है। विभाग विद्यार्थियों के बौद्विक विकास के लिए, शिक्षण के अलावा विशेष व्याख्यान, आशु भाषण प्रतियोगिताएं, सेमिनार आदि आयोजित करता है।

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विद्यार्थी विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहें है।

## गृह विज्ञान विभाग

गृह विज्ञान संकाय महाविद्यालय का एक अभिन्न अंग है, जहां शिक्षण के साथ–साथ जीवन कौशल के लक्ष्य को भी चरितार्थ किया जाता है। संकाय मानव विकास, सामान्य और चिकिस्कीय पोषण, खाद्य प्रसंस्करण, ड्रेस डिजाइनिंग, और आहार एवं परिवार परामर्श के विभिन्न पहलुओं के लिए सामाजिक जरूरतों को पूरा करने वाले चुनौतीपूर्ण व्यवसायों को लेने के लिए छात्राओं में क्षमता एवं कौशल को विकसित करने का प्रयास करता है। वर्तमान में विभाग स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग में सभी आवश्यक उपकरणों से सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है, जिससे छात्राओं को सैद्वान्तिक ज्ञान के साथ प्रायोगिक परीक्षण का अवसर प्राप्त होता है।

## हिंदी विभाग

हिंदी विभाग महाविद्यालय के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर तक अध्यापन होता है। विभाग का उदेश्य भाषा और साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोधक प्रायोगिक नैतिक शिक्षा प्रदान करना है। विभाग अनेक गतिविधियों का आयोजन एवं संचालन करके विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा हैं, जिसके अंतर्गत कई कार्यशालाएं, तथा वाद विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित किए जाते है। विभाग, हिंदी भाषा एवं साहित्य अध्यापन के माध्यम से सृजन और विचार का मुक्त आकाश बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

## Department of English

English Department is one of the most well established departments of the college. The department offers graduate and postgraduate programmes that are taught in conformity with the syllabi designed by Maharaja Ganga Singh University. The department features a trained faculty that is eager to hone student's linguistic competence as well as their critical faculties. The department makes a concerted effort to familiarize students to the various perspectives and practices of literary studies in modern day academia allowing them to develop a heightened understanding of literature as both a discipline and a contemporary discourse. The

department aims to produce graduate and postgraduates to cater to the growing demands of public and private sector enterprises. The college library has over 4000 books in its collection for the subject and the department is eager to add to it in order to catch pace with the ever growing literary plurality and current trends in global academia.

## विज्ञान संकाय

### प्राणी शास्त्र विभाग

महाविद्यालय का प्राणी शास्त्र विभाग सबसे पुराने स्थापित विभागों में से एक है। विभाग ने लाइफ सांइसेज के क्षेत्र में स्नातक अध्ययन के लिए एक प्रमुख और अग्रणी केंद्र के रूप में खुद को स्थापित किया है। विभाग में विषय की आधुनिक शाखाओं जैसे सेल बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी आदि में विशेषज्ञता प्राप्त कुशल एवं निपुण संकाय सदस्य है जो वैश्विक शिक्षा में मौजूदा रूझानों के साथ अद्यतन रहतें है। विभाग भविष्य में यूजीसी, सीएसआईआर आदि की महत्त्वपूर्ण अनुसंधान परियोजनायो पर काम करने के लिए भी तत्पर है। उत्कृष्ट अकादमिक रिकॉर्ड एवं रचनात्मक दृष्टिकोण का एक उपुयक्त समावेश होने के कारण विभाग प्रतिवर्ष न केवल हनुमानगढ़ बल्कि सीमावती हरियाणा राज्य के जिलों से भी सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के बी.एस.सी. पाठ्यक्रमानुसार विभाग की प्रयोगशाला में सभी आवश्यक उपकरण प्रायोगिक कार्यो के लिए उपलब्ध है। विभाग द्वारा वर्ष भर संचालित विभिन्न पाठयचर्चा और पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न करके विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाता है। यह छात्रों को आत्म अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करते हुए उनके कौशल को विकसित करने में मदद करता है। विभाग के संकाय और प्रयोगशाला कर्मचारियों का सहयोगी स्वभाव सीखने और व्यक्तित्व विकास के लिए अनुकूल और संवादात्मक वातावरण प्रदान करता हैं क्योकि संकाय के पास प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के शीर्ष अनुसंधान प्रयोगशालाओं में व्यापक अनुभव है और वे अपनी प्रयोगशालाओं और कक्षा की चार दिवारी के बाहर व्यवहारिक शिक्षा से अवगत है। उनका अनुभव छात्रों यथा भविष्य के संभावित शोधकर्ताओं के लिए बेहद मददगार और प्रेरणादायी है। महाविद्यालय पुस्तकालय में प्राणी शास्त्र विभाग पाठ्यक्रमानुसार पुस्तकों एवं संदर्भ पुस्तकों का एक समृद्ध सग्रह है। प्राणी शास्त्र विभाग में कम्प्यूटर प्रिन्टर एवं एक समर्पित एल.सी.डी. प्रोजेक्शन सुविधा उपलब्ध है। विभाग का उदेश्य विद्यार्थियों को न केवल अपने पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करना है। बल्कि ऐसे व्यक्ति भी बनाना है, जो दुनिया के सामने आने वाली विभिन्न वैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों को हल करने में सक्षम एवं अग्रणी होंगे। महाविद्यालय प्राणी शास्त्र विभाग में शीघ्र स्नात्तकोतर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए प्रयासरत है।

### वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग अपनी स्थापना के समय से ही कद और मानक में विकसित हुआ है। विभाग में कुशल एवं अनुभवी संकाय सदस्य है। बी.एस.सी. में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी विभिन्न स्थानों एवं विभिन्न पृष्ठभूमि से आते है। विभाग उन्हें उनके कौशल विकास और भविष्य निर्माण

के लिए समग्र रूप से तैयार करने हेतु एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। विभाग के पूर्व छात्रों ने अकादमिक और अनुसंधान संगठनों सरकारी और कारपोरेट क्षेत्रों में शिक्षकों, प्रशासकों, आचार्यो, शिक्षाविदों, के रूप में खुद को प्रतिष्ठित किया है। महाविद्यालय में विभाग के द्वारा एक बॉटनिकल गार्डन की स्थापना भी की गई है। जिसमें विभिन्न प्रकार के प्रयोगिक पौधे विकसित किये गये है। विभाग का उदेश्य विद्यार्थियों को विशेष क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना और भविष्य के कैरियर विकल्पों में एक अंतदृष्टि प्रदान करना भी है। विभाग में सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित एक प्रयोगशाला है। जिसमें छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। विद्यार्थियों के ज्ञान के क्षितिज को व्यापक बनाने और उन्हें अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कौशल में सुधार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम, क्विज, सेमिनार आदि आयोजित किए जाते है। महाविद्यालय वनस्पति विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए प्रयासरत है।

## भौतिक विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के मुख्य विभागों में से एक , भौतिक शास्त्र विभाग ने महाविद्यालय के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। एक प्रतिबद्ध और अत्यधिक निपुण संकाय के साथ विभाग नवाचारों के लिए एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है। महाविद्यालय में अध्यननरत छात्रों के उत्कृष्ट परिणाम से प्रेरित होकर प्रवेश योग्य प्रतिभाशाली, विद्यार्थी, यहाँ प्रवेश के लिए आकर्षित होते है। विभाग के संकाय सदस्य भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ शिक्षण के साथ–साथ शोध की उपयोगिता पर भी बल देते है। विभाग के पास दो सुवस्थित प्रयोगशालाएं हैं जिन्हें प्रतिवर्ष  नवीनतम उपकरणों के साथ अपग्रेड करने की दिशा मे महाविद्यालय प्रयासरत है। विभाग में संकाय सदस्यों एवं प्रयोगशाला स्टाफ का गुणवतापूर्ण सहयोग विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल का विकास करते हुए उनके नवीन विचारों को आकार प्रदान करता हैं।  पूर्व में विभाग स्नात्तक स्तर के कार्यक्रम संचालित करता था। किंतु 2019 में 20 सीटों के साथ एम.एस.सी. पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई है, जिससे क्षेत्र के भौतिकी के विद्यार्थी लाभान्वित हुए है।

## गणित विभाग

राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय में गणित विभाग स्नातक  स्तर पर गणित के अध्ययन के लिए सबसे अच्छे विभागों में से एक माना जाता है। विभाग देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त युवा संकाय सदस्यों एवं व्यापक अनुभव वाले समर्पित शिक्षाविदों का सुमिश्रण है। वर्तमान स्वरूप में विभाग स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग का योग्य, अनुभवी एवं समर्पित संकाय शिक्षा के साथ–साथ शोध की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए निरंतर उत्कृष्टता के नवीनतम सोपान सृजित कर रहा है। राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय रिसर्च जर्नलस में संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशित शोध पत्र अकादमिक जगत में महाविद्यालय के इस प्रतिष्ठित संकाय की उल्लेखनीय उपलब्धि है। कोविड–19 महामारी के चुनौतीपूर्ण  दौर में भी गणित विभाग संकाय सदस्यों ने ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में  अपनी प्रबल उपस्थिति दर्ज की ।

## रसायन शास्त्र विभाग

रसायन विभाग महाविद्यालय में सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक रहा है। विभाग को एक प्रख्यात शिक्षण संकाय होने का गौरव प्राप्त हैं। सक्षम शिक्षाविद्वों के एक समर्पित संकाय के

साथ विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाता है। वर्ष 2019 में 20 सीटों के साथ एम.एस.सी. रसायन शास्त्र कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। विभाग के पूर्व छात्र बेहतरीन प्रतिष्ठित अनुसंधान आधारित विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने में सक्षम हुए है। विभाग के पास सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित 2 प्रयोगशालाएं आए है। पिछले कुछ दशकों में मॉलिक्यूलर स्तर की जैविक प्रक्रियाओं में रासायनिक माध्यमों की समझ अत्यधिक बढ़ी है। विभाग संचालित पाठ्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों को केवल समस्या समाधान प्रदर्शन तथा प्रायोगिक कार्य के माध्यम से केमिस्ट्री की अवधारणाओं को समझाने में ही सहायक नहीं है बल्कि यह केमिस्ट्री के पर्यवेक्षण तथा मूल्यांकन दक्षतायों के संख्यात्मक एवं मात्रात्मक पहलुओं पर भी गहन ज्ञान प्रदान करता है।

## वाणिज्य संकाय

राजकीय एन.एम. महाविद्यालय, हनुमानगढ़ में स्थापित वाणिज्य विभाग, क्षेत्र के अग्रणी वाणिज्य विभागों में से एक है। विभाग महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग में अत्यधिक कुशल संकाय सदस्य है, जिन्होने वर्षो से एक सहज और जीवंत शिक्षण अनुभव सुनिश्चित किया है। विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने शिक्षा, प्रशासन एवं कारपोरेट क्षेत्र में अपनी सार्थक पहचान स्थापित की है। विभागीय संकाय न केवल शिक्षा अपितु शोध के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। विभाग के संकाय सदस्य महाविद्यालय के विकास कार्यों एवं विविध सह शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका अदा करते है।

### लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग

वाणिज्य संकाय के अंतर्गत लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग (एबीएसटी) में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सांचालित है।

### आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध विभाग

महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय में आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध (इएएफएम) स्नातक स्तर पर संचालित है।

### व्यावसायिक प्रशासन विभाग

वाणिज्य संकाय में बीकॉम के अंतर्गत संचालित है।

### कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग

वाणिज्य संकाय के बीकॉम के विद्यार्थियों हेतु कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग के अंतर्गत उपलब्ध है।

### कम्प्यूटर विभाग

महाविद्यालय में विद्यार्थियों को रोजगार वृद्धि एवं उनकी तकनीकी क्षमता निर्माण के लिए कम्प्यूटर विज्ञान विभाग स्ववित्त पोषित (एसएफएस) योजना के अंतर्गत स्थापित है। विभाग द्वारा बीए बीएससी एवं बी कॉम के विद्यार्थियों के लिए एलीमेंट्री एवं वोकेशनल कोर्स उपलब्ध है। विभाग द्वारा कम्प्यूटर विज्ञान में बीसीए डिग्री कार्यक्रम भी 80 सीटों के साथ संचालित हैं स्नातकोत्तर स्तर पर कम्प्यूटर विज्ञान में एमएससी पाठ्यक्रम भी संचालित है जिसमे 40 सीटें

है। कम्प्यूटर विभाग महाविद्यालय के तेजी से विकसित होते विभागों में से एक हैं। वर्ष 2021 में कम्प्यूटर विभाग के अंतर्गत अत्याधुनिक आई थ्री प्रोसेसर युक्त आई सी टी लैब स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त विभाग में दो अन्य सुव्यस्थित लैब भी विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन एंव उपयोग के लिए उपलब्ध है। ऊर्जावन एवं व्यापक अनुभव युक्त संकाय सदस्य कम्प्यूटर विभाग की विशेषता रही है। विभाग के शैक्षणिक स्टाफ का समर्पित मार्गदर्शन विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान के निर्देशानुसार महाविद्यालय में चलाए गए विद्यार्थी कौशल विकास कार्यक्रमों को सफल बनाने में कम्प्यूटर विभाग ने अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया। विभाग द्वारा संचालित किए गए लघु अवधि कोर्स डाटा एंट्री एवं आई टी स्किल कोर्स विद्यार्थियों द्वारा काफी पसंद किए गए।

## **महाविद्यालय में संचालित** सह शैक्षणिक **गतिविधियाँ एवं प्रदत सुविधाएं**

### संरचना एवं संसाधन

राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय, हनुमानगढ़ एक सुविकसित परिसर में स्थापित है। महाविद्यालय के पास अपनी 50 एकड़ भूमि हैं। जिसमें वर्तमान में 3 शैक्षणिक खण्ड, विभिन्न विभाग, पुस्तकालय, सभागार तथा प्रशासनिक कार्यालय आदि है। परिसर में खेलों की पर्याप्त सुविधा है। महाविद्यालय के खेल मैदान में हॉकी, वालीबाल, बास्केटबाल, टेनिस, योगा, खो–खो, कबडड़ी एथलेटिक्स की सुविधाएं है। महाविद्यालय में खेल सुविधाओं में निरन्तर विकास एवं गुणवता में सुधार चलता रहता है। इसका नवीनतम उदाहरण अति उत्तम बास्केटबाल कोर्ट का निर्माण एवं मास्क लाइट्स है। महाविद्यालय में एक भव्य सभागार महात्मा गांधी सभागार का निर्माण भी किया गया है। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम, विशिष्ट व्याख्यान, कार्यशालाएं, संगोष्टियां, नियमित रूप से आयोजित होते है। महाविद्यालय में आधुनिक तकनीकी से लैस एक उन्नत आईसीटी लेब का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम भी उपलब्ध है। परिसर में पर्याप्त अन्य सुविधाएं जैसे पार्किंग सुविधा, शेड, विद्यार्थी प्रामर्श केन्द्र, छात्रा कक्ष, वाटर फैसिलिटी, सेनिटाइजर डिस्पेंसर्स, केंटीन, विद्यार्थी यूनियन कार्यालय, की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय के हर विभाग के कार्यालय में पर्याप्त कम्प्यूटर सुविधाएं उपलब्ध है। वर्ष 2019 में नव–निर्मित स्वर्ण जयंती भवन में एक आईसीटी लैब, आचार्य कक्ष के अतिरिक्त 10 कमरे भी है।

महाविद्यालय परिसर में विविध सह शैक्षणिक गतिविधिया संचालित की जाती है।

### राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाईयां कार्यशील हैं, जिनमें एक महिला इकाई है। इन तीनो इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनमोल शर्मा, श्री विनोद खुड़िवाल एवं श्रीमती भागवन्ती है। प्रत्येक इकाई में 100 विद्यार्थीयों को स्वयंसेवको के रूप में पंजीकृत किया जाता है। प्रत्येक स्वयं सेवक को एक आवेदन पत्र भरना आवश्यक ई, जो महाविद्यालय के एन.एस. एस. कार्यलय से प्राप्त किया जा सकता है।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना में विभिन्न एकदिवसीय एवं विशेष शिविरों का आयोजन किया जाता है। राश्ट्रीय सेवा योजना में 02 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर विद्यार्थीयों को प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते है जो कि उच्च अध्ययन

में प्रवेश हेतु उपयोगी होते है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवाओं में निस्वार्थ रूप से राष्ट्र निमार्ण की भावना को विकसित करना है इस हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय में विभिन्न बौद्विक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय के स्वयंसेवक समाज सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों यथा पर्यावरण जागरूकता, महिला शिक्षा, नशा मुक्ति अभियान में बढ़ चढ़ कर भाग लेते है। कोविड़–19 के दौरान भी महाविद्यालय के एनएसएस के स्वयंसेवकों ने स्थानीय प्रशासन तथा चिकित्सा विभाग से समन्वय स्थापित कर उत्कृष्ट कार्य किया।

## राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)

महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडट कोर की 2 प्लाटून कार्यशील है, जिनमें क्रमश 53 एवं 54 कैडेट्स पंजीकृत है। यह पूरा पाठ्यक्रम व प्रशिक्षण 03 वर्षों में पुरा होता है। तीनों वर्षो में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। कैडेटस को तीनों वर्षों के दौरान ड्रिल नागरिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण चेतना, नेतृत्व के गुणों का विकास, आत्मरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं सफाई तथा सामान्य ज्ञान आदि विषयों की गहन जानकारी व व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। अभी तक महाविद्यालय के लगभग 80 कैडेट गणतंत्र दिवस कैम्प, नई दिल्ली में भाग ले चुके हैं। महाविद्यालय की एन.सी.सी. शाखा के कुछ पूर्व कैडेट आर्मी में विभिन्न पदों पर कार्यरत है। एनसीसी कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के एनसीसी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

## स्काउटिंग

महाविद्यालय में राजस्थान राज्य एवं भारत स्काउट गाईड की एक इकाई कार्यरत है., जिसमे 24 रोवर्स है। स्काउट इकाई का उद्देश्य रोवर्स की शारीरिक, बौद्धिक एवं सामाजिक क्षमताओं को विकसित कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है। स्काउट की विभिन्न गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व एवं बौद्धिक कौशल के विकास हेतु उपयुक्त मंच प्रदान करती है।

महाविद्यालय की स्काउट इकाई के वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। साथ ही इन रोवर्स ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नशामुक्ति हेतु भी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया है। कोविड–19 के दौरान महाविद्यालय की रोवर्स इकाई ने नो–मास्क नो–एन्ट्री आदि कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए एवं मास्क वितरित किए। इसके साथ–साथ महाविद्यालय की रोवर्स इकाई महाविद्यालय परिसर को सुन्दर एवं स्वच्छ बनाए रखने हेतु नियमित रूप से योगदान देती है। वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में एक रेन्जर इकाई ( महिला स्काउट) की स्थापना भी हो चुकी है।

नोटः– विद्यार्थी एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउटिंग में से केवल एक में ही भाग ले सकते है। इच्छुक विद्यार्थी कार्यक्रम अधिकारियों से सम्बंधित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

## खेल–कूद

खेल के क्षेत्र में महाविद्यालय का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। विश्वविद्यालय की टीमों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी से लेकर पैरा ओलंपिक एवं अन्य राष्ट्रीय एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में इस महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने अनेकों पदक प्राप्त किए हैं। इन खिलाड़ियों में पदम श्री अवार्ड श्री देवेंद्र झांझरिया पैरा ओलंपिक विजेता जगजीत सिंह, अर्जुन और द्रोणाचार्य अवॉर्डी आरडी सिंह पूर्व महाविद्यालय शारीरिक शिक्षक प्रमुख हैं। जिन्होने खेल के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां हासिल की। वर्तमान सत्र में खिलाड़ियों के लिए खेल सुविधाओं में विस्तार करने का प्रयास किया गया। इस क्रम में महाविद्यालय में बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण किया गया है तथा महाविद्यालय के ऐतिहासिक फुटबॉल व हॉकी खेल मैदानों का पुनः जीर्णोद्धार किया गया। महाविद्यालय के खेल मैदानों के रखरखाव एवं उचित सिंचाई व्यवस्था के लिए कोहला नहर से महाविद्यालय परिसर तक पूर्व में बकाया भूमिगत पाइप लाइन का कार्य पूर्ण करवाया गया और महाविद्यालय में 1 डिग्गी निर्माण करवाकर पानी को लिफ्ट करने के लिए मोटर स्थापित की गई इस कारण महाविद्यालय में वृक्षारोपण एवं सिचाई व्यवस्था में सुधार हुआ परिणाम स्वरूप खेल मैदान उच्च कोटि के बनाए जा रहें है। वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय की टीम में कोरोना के कारण प्रतियोगिताएं स्थगित होने से पूर्व लगभग 15 खिलाड़ी भाग ले चुके है। और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में महिला हॉकी की टीम उपविजेता एवं कराटे, जूडो, मुक्केबाजी, वुशु, हैंडबॉल, एथलेटिक्स एवं अन्य प्रतियोगिताओं में भी में सुविधाओं के विस्तार एवं दौड तथा पैदल चाल के लिए ट्रैक निर्माण का कार्य शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करने की योजना है।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा खेले जाने वाले विभिन्न खेलों में हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, खो–खो, कबड्डी मुक्केबाजी निशानेबाजी कुश्ती एथलेटिक्स आदि शामिल है इनमें से अधिकांश खेलों के लिए महाविद्यालय परिसर में सुविधा है।

महाविद्यालय में खेलकूद विभाग वर्ष में एक बार आयुक्तालय कलेण्डर के अनुसार खेलकूद सप्ताह का आयोजन करता है। इस खेलकूद सप्ताह में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त विभिन्न खेलों में प्रतियोगिताऐं आयोजित होती है। इन प्रतियोगिताओं हेतु महाविद्यालय की टीमों का चयन प्राचार्य द्वारा नियुक्त चयन समिति की अनुशंसा पर किया जाता है।

## पुस्तकालय

विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु एक अत्यंत समृद्ध स्रोत के रूप में महाविद्यालय में सुविकसित पुस्तकालय स्थापित है। महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही पुस्तकालय की स्थापना हुई थी पुस्तकालय में विभिन्न विषयों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित 40,000 से अधिक पुस्तके उपलब्ध है। इन पुस्तकों में पाठ्यक्रम से संबंधित अध्ययन सामग्री, स्वाध्यायी सामग्री, संदर्भ पुस्तके, शब्दकोश के साथ अध्यापन संबंधित स्त्रोत एवं पाठ्य पुस्तके संकलित है। महाविद्यालय के द्वारा पुस्तकालय का egranthalaya पर ऑटोमेशन का कार्य जारी है। जिसके शीघ्र पूर्ण होने की संभावना है। इस डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया के पूर्ण होने के उपरांत विद्यार्थी egranthalaya.nic.in पर लॉगिन कर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

पुस्तकालय के मुख्य भवन में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों के लिए पृथक – पृथक सेक्शन में विभाजित एक वृहद वाचनालय है। वाचनालय में विद्यार्थी अपने शैक्षणिक अध्ययन के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सामान्य ज्ञान का अध्ययन भी कर सकते है।

**पुस्तकालय सम्बन्धी नियम इस प्रकार है।**

1. प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकालय में प्रवेश करते समय एवं पुस्तके प्राप्त करते समय अपना परिचय पत्र दिखाना आवश्यक है।
2. पुस्तकालय से पुस्तक लेते समय विद्यार्थी ये सुनिश्चित कर लें कि पुस्तक कटी–फटी न हो अन्यथा इसका पूर्ण दायित्व स्वयं विद्यार्थी का होगा पुस्तकालय की पुस्तके किसी अन्य विद्यार्थी को नहीं दे सकते।
3. किसी पुस्तक को विद्यार्थी दुबारा लेने चाहे तो वह दुबारा 15 दिन बाद दी जा सकती है। अगर उसकी मांग करने वाले दुसरे विद्यार्थी ना हो।
4. विद्यार्थी को नो–डयू प्रमाण – पत्र लेते समय पुस्तकालय कार्ड लौटाना होगा।
5. यदि कोई विद्यार्थी मध्य सत्र में महाविद्यालय छोड़ता है, तो उसे पुस्तकों को लौटाना होगा।
6. पुस्तकालय कार्ड खो जाने पर उसकी सूचना पुस्तकालय स्टाफ को अवश्य दे एवं निर्धारित शुल्क देकर दूसरा कार्ड प्राप्त करें।
7. पुस्तकालय में शांति बनाये रखे।

8 प्रत्येक विद्यार्थी पुस्तकों को सुरक्षित व स्वच्छ रखेगा। पुस्तकों में निशान लगाना नाम लिखना अनैतिक, अवैध और निदंनीय है पकडे जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

## वर्धमान महावीर ओपन विश्वविद्यालय, कोटा (VMOU)

महाविद्यालय में कोटा खुला विश्वविद्यालय केन्द्र भी स्थापित है इसके अन्तर्गत कई स्नात्तक एवं स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम संचालित है। प्रतिवर्ष लगभग 3000 विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में पंजीकृत होते है। इस सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के कोटा ओपन कार्यालय(VMOU) से प्राप्त की जा सकती है।

## इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (IGNOU)

महाविद्यालय में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय नई दिल्ली का केन्द्र स्थापित है जिसके अन्तर्गत 14 पाठ्यक्रम संचालित है। प्रतिवर्ष 300 से 400 विद्यार्थी विविध ईग्नू पाठ्यक्रमों में पंजीकृत होते है। महाविद्यालय के ईग्नू केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विद्यार्थी महाविद्यालय के ईग्नू कार्यालय में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

## ई–रिसोर्सेज

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सकारात्मक उर्जा संचार, विषयपरक ज्ञानवर्धनै, आकादमिक समस्या समाधान एवं उनके समय का रचनात्मक सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिये आयुक्तालय द्वारा आरम्भ किये गये विविध ऑनलाईन प्लेटफार्म जैसे कि ज्ञानदूत कार्यक्रम, ज्ञानसुधा कार्यक्रम, राजीव गांधी ई–कॉन्टेन्ट बैंक आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को सहायता व मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। विविध विषयों पर आयोजित होने वाले ऑनलाईन लाईव सेशन

के लिये प्रदत यू–टयूब लिंक आदि को विद्यार्थियों के वाट्सअप ग्रुप पर शेयर किया जाता है ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सके।

## महिला प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ स्थापित है। प्रकोष्ठ द्वारा समय–समय पर छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, एवं पारितोषिक भी प्रदान किये जाते है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जाग्रत करने, उन्हे आत्म निर्भर बनाने एवं क्षमता विकास के लिए विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये जाते है। महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्राओं की समस्याओं सम्बंन्धी सार्थक सुझाव देने हेतु छात्राओं को भी आमत्रिंत किया जाता है।

## मानवाधिकार क्लब

महाविद्यालय में मानवाधिकारों के बारें में जानकारी प्रदान करने के लिये मानवाधिकार क्लब स्थापित है विभिन्न संगोष्ठीयों वाद–विवाद प्रतियोगिताओं पोस्टर प्रतियोगिताओं आदि के द्वारा यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता सृजित करता है।

## युवा विकास केन्द्र

विद्यार्थियों की रोजगारोन्मुखी क्षमताओं को विकसित करने एवं रोजगारों की नवीनतम जानकारी देने के लिये महाविद्यालय में युवा विकास केन्द्र स्थापित है। युवा पीढी के सर्वागींण विकास के लिए उन्हें अध्ययन के साथ–साथ व्यक्तित्व एवं भविष्य निर्माण के विभिन्न अवसरों की जानकारी तथा उनके अनुसार स्वयं के चरित्र निर्माण करने हेतु विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को आमत्रिंत कर विद्यार्थी का ज्ञान वर्धन किया जाता है।

## राष्ट्रीय पर्व एवं विशेष आयोजन

महाविद्यालय परिवार द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता सप्ताह, राष्ट्रीय युवा सप्ताह और आयुक्तालय द्वारा निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार राष्ट्रीय महत्व के विविध दिवसों एवं सांस्कृतिक त्यौहारों को मनाया जाता है। महाविद्यालय परिवार द्वारा विभिन्न समीतियों के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा सप्ताह, राष्ट्रीय एकता सप्ताह, सड़क सुरक्षा सप्ताह, आजादी का अमृत महोत्सव जैसे कार्यक्रमों के अन्तर्गत विविध प्रतियोगिताएं, रैलिया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गोष्ठीयों का भी आयोजन किया जाता है।

## राजीव गांधी विद्यार्थी सेवा केन्द्र एवं मेन्टल हैल्थकेयर सेन्टर

महाविद्यालय में विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं के निराकरण के लिये विद्यार्थी परामर्श केन्द्र एवं मेन्टल हैल्थकेयर सेन्टर स्थापित है। इस केन्द्र में विद्यार्थियों को वांछित जानकारी एवं परामर्श उपलब्ध करवाया जाता है।

## छात्रा कक्ष एवं बालिका वाटिका

महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिये एक कॉमन कक्ष उपलब्ध हैं, जिसकी देखरेख महिला प्रकोष्ठ की महिला अधिकारी सुनिश्चित करती है। महाविद्यालय में छात्राओं के लिये एक बालिका वाटिका भी है।

## कॉलेज कैन्टीन

महाविद्यालय में विद्यार्थियों/कर्मचारियों की सुविधा के लिये कैन्टीन है।

## वाहन स्टैण्ड व पार्किंग

महाविद्यालय में स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिये पृथक–पृथक वाहन स्टैण्ड की सुविधा है। विद्यार्थियों को चाहिये कि अपने वाहन निर्धारित स्टैण्ड पर ही खड़े करें।

## राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा देय छात्रवृतियाँ

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त एवं निरन्तर अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को उनके संरक्षकों की आर्थिक स्थिति के अनुसार राज्य तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार से आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान है, जो इस प्रकार हैः–

**काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना** –डूंगरपुर में शिक्षा की अलख जगाने के लिए 19 जून 1947 को अपने प्राणों का बलिदान करने वाली कालीबाई वीर की स्मृति में कालीबाई भील मेधावी छात्रा योजना बनाई गई। इसमें मेधावी छात्राओं के लिए चल रही अन्य स्कूटी वितरण योजनाओं को एकीकृत कर अनुसूचित जाति/अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं सहित प्रतिवर्ष लगभग 10,500 छात्राओं को स्कूटी देकर लाभान्वित किया जावेगा। इसके अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्कूटी वितरण योजनाओं को सम्मिलित कर एवं अनुसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं को शामिल करते हुए एकीकृत स्कूटी वितरण योजना लागू की गई हैं। राजस्थान राज्य के राजकीय (राज्य सरकार द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों सहित) एवं निजी विद्यालयों में नियमित छात्रा के रूप में अध्ययन करने एवं कक्षा 12वीं में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए उक्त योजना राज्य में संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को 50 प्रतिशत स्कूटी तथा निजी विद्यालयों की छात्राओं को 25 प्रतिशत स्कूटी स्वीकृत की जावेगी। इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में कक्षा 12वीं में न्यूनतम 65 प्रतिशत प्राप्तांक से उत्तीर्ण तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में कक्षा 12वीं में न्यूनतम 75 प्रतिशत प्राप्तांक से उत्तीर्ण छात्राऐं जोकि राजस्थान के किसी भी विद्यालय में अध्ययनरत आवश्यक हो। इसके साथ ही किसी भी राजस्थान स्थित महाविद्यालय से स्नातक डिग्री यथा (बीए बीएड/बीएससी बीएड/बीकॉम बीएड/बी टेक/एमबीबीएस/आईटीआई/बीबीए/बीबीएम/बीएसए/बीडीएस) में प्रवेश लेकर नियमित छात्रा के रूप में होनी चाहिए। किसी अन्य योजना में आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाली छात्राऐं भी इस योजना में लाभान्वित होगी। किसी अन्य योजना में आर्थिक सहायता/छात्रवृति प्राप्त करने वाली छात्राओं को इस योजना से वंचित नहीं किया जा सकेगा।

**देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना** –राज्य में पिछड़ा वर्ग में से अति पिछडे वर्ग के गुर्जर सहित 05 जातियों (बंजारा, बालदिया लबाना, गडिया लुहार गाडेलिय, राईका, गायरी) की छात्राओं को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा/केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि व वाहन सुविधा उपलब्ध कराने तथा आर्थिक सहयोग प्रदान करने हेतु

देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि को प्रारंभ किया गया है।इस योजना के अंतर्गत राजस्थान मूल की विशेष पिछड़े वर्ग में से अति पिछड़े वर्ग की वे छात्राएं जिन्होंने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अयोजित 12वीं (सी. सैकण्डरी) परीक्षा उत्तीर्ण में पूर्णतया 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए है तथा राजस्थान स्थित राजकीय महाविद्यालयों राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में स्नातक डिग्री प्रथम वर्ष में प्रवेश लेकर नियमित अध्ययरत हो उनको 1500 (एक हजार सौ मात्र) स्कूटी स्वीकृत कर निःशुल्क वितरित की जावेगी। नियमित अध्ययनरत छात्राओं को 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण में प्राप्तांक प्रतिशत की वरियता सूची तैयार कर स्वीकृत की जावेगी। शेष छात्राओं के आवेदन पत्रों को प्रोत्साहन राशि हेतु स्वीकार कर नियमानुसार प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की जावेगी तथा उनके द्वारा स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में पूर्णतया 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में उन्हें क्रमशः प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष 10,000/– वार्षिक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 20,000/– वार्षिक तथा स्नाकोत्तर प्रथम में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में 20,000/– वार्षिक प्रोत्साहन राशि दी जावेगी।

1. **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना**–

   वर्ष 2012 से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थी के लिये एक नवीन छात्रवृति प्रारम्भ की गई है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना के नाम से ही ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार की एक स्टेट फ्लेगशिप योजना है। यह योजना अल्प आय वर्ग के प्रतिभावान विद्याथियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने के उददेश्य से प्रारम्भ की गई है। योजना के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को रू0 500/– प्रतिमाह (एक वर्ष में दस माह अर्थात 5000 रु0 वार्षिक) देय होंगे जो कि पांच वर्षो तक अथवा नियमित अध्ययन जारी करने तक प्रदान किये जायेंगे।

   पात्रता– इस योजना का लाभ उन छात्र–छात्राओं को देय होगा निम्न समस्त शर्ते पूर्ण करते होः–

   1. राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से अंतिम वर्ष की उच्च माध्यमिक परीक्षा 60 प्रतिशत या अधिक अंको से उर्त्तीण को।
   2. राज्य की किसी सरकारी/निजी मान्यता प्राप्त/तकनीकी संस्था में नियमित अध्ययनरत हों।
   3. राजस्थान का मूल निवासी हो।
   4. माता–पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रू0 से अधिक न हो।
   5. भारत/राजस्थान सरकार से अन्य कोई छात्रवृति अथवा प्रोत्साहन राशि प्राप्त न कर रहा हो और न ही आवेदन किया हुआ हो जो छात्र उपयुक्त शर्ते पूर्ण करते हो वे निर्धारित आवेदन पत्र ऑनलाईन भरें और नवीनीकरण भी ऑनलाईन भरें जायेंगे। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाईट www.dce.rajasthan.gov.in देखें।

## समाज कल्याण विभाग द्वारा देय छात्रवृतियाँ

**मेट्रिकोत्तर छात्रवृति (**अनुसूचित जाति और जनजाति **)**

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को मेट्रिकोत्तर छात्रवृति दी जाती हैः–

पात्रता–

(क) केवल वे ही छात्र जो राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति से संबधित हों।

(ख) शिक्षा का एक चरण उर्त्तीण करने के पश्चात शिक्षा के उसी चरण में किसी दुसरे विशय/संकाय में अध्ययन करने पर जैसे बी.कॉम करने के बाद बी.ए. या एम.ए. करने के बाद किसी अन्य विषय में एम.ए. करने लगे तो ऐसे छात्र इसके पात्र नहीं होंगे।

(ग) नियोजित छात्र जिन्होने पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि की अवैतनिक छुटटी ली हो तथा पूर्णकालिक छात्र के रूप में अध्ययन कर रहे हो छात्रवृति पाने के पात्र होंगे।

(घ) एक ही माता–पिता/अभिभावक के सभी बच्चे छात्रवृति पाने के हकदार होंगे।

(ड़) कोई अन्य छात्रवृति नही दी जाती हो।

(च) अंशकालीन पाठ्यक्रमों के लिय देय नही।

आय सीमाः–भारत सरकार की सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा देय छात्रवृतियों के लियेः–

1. अनुसूचित जाति के लिये – सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के पत्र क्रमांक एफ9(4) (58)/छात्रवृति/नियम/सा.न्या.अधि.वि./2010–11/3254–3508 जयपुर दिनांक 19.01.2011 के अनुसार 2.00 लाख रू0 (01.07.2010) से
2. अनुसूचित जनजाजि के लिये– सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के पत्र क्रमांक एफ9(4) (58)/छात्रवृति/नियम/सा.न्या.अधि.वि./2010–11/61919–62175 दिनांक 18.08.2011 के अनुसार 2.00 लाख रू0।
3. विशेष पिछड़ा वर्ग–एफ11 (64 दे.यो./छात्रवृति/सा.न्या.अ.वि./10/89959–90215 दिनांक 05.12.2011 के अनुसार 2.00 लाख रू0।
4. अन्य पिछड़ा वर्ग दिनांक 01.07.2011 से 1.00 लाख रू0।

नोटः– आय प्रमाण पत्र केवल एकबार लिये जाने की आवश्यकता है अर्थात एकवर्श से अधिक अवधि वाले पाठ्यक्रमों में प्रवे ा के समय में ।

5. नवीनीकरणः– अगली कक्षा में प्रवेश लेने पर पाठयक्रम की समाप्ति तक दी जायेगी इसके लिये विद्यार्थीयों का अच्छा आचरण व नियमित उपस्थिति होना आव यक है।

नोटः– विद्यार्थी का आचरण असंतोशजनक होने पर या झूठी घोषणा पर अथवा गलत भुगतान किये जाने पर प्राचार्य छात्रवृति निरस्त की जा सकती है।

आवेदनः– छात्रवृति के लिये आवेदन निर्धारित प्रपत्र में होगा

इन छात्रवृतियों के अतिरिक्त भी अन्य पिछड़ा वर्ग rFkk दिव्यांग विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग ,oa राज्य सरकार द्वारा कई छात्रवृतियां दी जाती है। अन्य छात्रवृतियों की जानकारियां आयुक्तालय राजस्थान की वेबसाईट (https://hte.rajasthan.gov.in/online-scholarship)पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

**नोटः– सभी छात्रवृतियों के सम्बन्ध में आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर द्वारा समय समय पर जारी नवीनतम निर्देश ही मान्य होंगे।**

## महाविद्यालय संकाय सदस्य

प्राचार्यः– डॉ. नरेन्द्र सिंह भाम्भू

कला संकाय

| संकाय सदस्य का नाम | पद | विषय |
|---|---|---|
| श्री सिद्वार्थ राव | सहायक आचार्य | राजनीति विज्ञान |
| डॉ. अर्चना गोदारा | सहायक आचार्य | समाज शास्त्र |
| श्रीमती भावना | सहायक आचार्य | इतिहास |
| श्री सोहन लाल | सहायक आचार्य | हिन्दी |
| श्रीमती भागवन्ती | सहायक आचार्य | इतिहास |
| सुश्री मनदीप कौर | सहायक आचार्य | अंग्रेजी |
| श्री विनोद खुड़ीवाल | सहायक आचार्य | अंग्रेजी |

**विज्ञान संकाय**

| संकाय सदस्य का नाम | पद | विशय |
|---|---|---|
| डॉ. कमल कुमार मिश्रा | सह.आचार्य | गणित |
| डॉ.रामपाल अहरोदिया | सहायक आचार्य | वनस्पति शास्त्र |
| श्री विनोद कुमार सांखला | सहायक आचार्य | रसायन शास्त्र |
| श्री शिशु पाल | सहायक आचार्य | गणित |
| डॉ. राजकुमार | सहायक आचार्य | गणित |
| श्री सुभाष चन्द्र | सहायक आचार्य | भौतिक शास्त्र |
| श्री गुरमेल सिंह | सहायक आचार्य | प्राणी शास्त्र |
| श्रीमती किरण ढिल्ल | सहायक आचार्य | भौतिक शास्त्र |
| डॉ. यासमीन खानम | व्याख्याता (संविदा) | प्राणी शास्त्र |

**वाणिज्य संकाय**

| संकाय सदस्य का नाम | पद | विशय |
|---|---|---|
| डॉ. विनोद कुमार जांगिड | सह. आचार्य | ईएएफएम |
| श्री विनेश जैन | सहायक आचार्य | एबीएसटी |
| श्री हीरा लाल | सहायक आचार्य | एबीएसटी |
| श्री अनमोल कुमार भार्मा | सहायक आचार्य | ईएएफएम |

कम्प्यूटर विज्ञान संकाय (एसएफएस)

| संकाय सदस्य का नाम | विशय |
|---|---|
| श्री अजीत पाल सिंह | कम्प्यूटर विज्ञान |
| श्री सुनील अग्रवाल | कम्प्यूटर विज्ञान |
| श्री पंकज मिश्रा | कम्प्यूटर विज्ञान |
| श्री रणजीत सिंह | कम्प्यूटर विज्ञान |
| सुश्री पवनदीप कौर | कम्प्यूटर विज्ञान |

**मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी**

| नाम | पद |
|---|---|
| श्री योगेश कुमार | प्रयोगशाला सहायक |
| श्री रामकुमार वर्मा | वरिष्ठ सहायक |
| श्री सिद्धार्थ थोरी | कनिष्ठ सहायक |
| सुश्री ममता | कनिष्ठ सहायक |
| श्री रमेशचन्द्र | सहायक कर्मचारी |